PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Rajasthan Patrika, Jaipur
Wednesday, 10th November 2010, Page: 2
Width: 33.36 cms Height: 10.37 cms, Ref: pmin.2010-11-11.8.3

...नई व्यवस्था

केमिस्ट सालभर तक संभालेंगे डॉक्टर की पर्ची

डीसीजीआई की बैठक में फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी. डॉक्टरों को अब मरीज की दवाओं की पर्ची दो प्रतियों में लिखना होगी। एक प्रति मरीज के पास रहेगी और दूसरी उस मेडिकल स्टोर पर एक साल तक रिकॉर्ड में रखी जाएगी, जहां से दवा खरीदी गई है। यह फैसला ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) की बैठक में लिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, नई व्यवस्था एंटीबायोटिक्स दवाओं के लिए है। नए सुपरबग एनडीएम-1 के देश में तेजी से फैलने की आशंका के तहत यह कदम उठाया गया है। डीसीजीआई ने यह भी तय किया है कि मरीज को एंटीबायोटिक्स का डोज अलग से दिया जाएगा। यानी बाकी दवाओं के साथ एंटीबायोटिक्स का सेवन नहीं किया जा सकेगा। डॉक्टर की पर्ची के बगैर देश में एंटीबायोटिक्स नहीं खरीदी-बेची जा सकेंगी। उल्लंघन करने पर 20,000 रुपए अर्थदंड भरना पड़ेगा। इसके साथ दो साल की सजा का भी प्रावधान है।

यह भी नियम

एंटीबायोटिक दवाओं का डोज अन्य दवाओं से अलग चलेगा

छह माह में स्टोर्स पर ऑडिट

सरकार अस्पतालों में ड्रग कंट्रोल तथा इंफेक्शन कंट्रोल कमेटियों का गठन

यहां मिलता है लापरवाही का डोज

विदेशों में प्रतिबंधित दवाएं भारत में खुलेआम बेची जा रही

भारत सरकार को शायद अपने नागरिकों की जान की परवाह नहीं। तभी तो जो दवाएं विदेशों में प्रतिबंधित हैं, वे यहां बेरोक-टोक बेची जा रही हैं। भ्रष्टाचार का आलम यह है कि जिस दवा को सरकार की सबसे बड़ी एजेंसी ने प्रतिबंधित किया है, वह भी धड़ल्ले से बेची जा रही है।

रिस्क का लेबल, पर यहां नो प्रॉब्लम

दवा : सेरिडनकोल्ड
उपचार : सर्दी
विदेश : अमेरिका-कनाडा समेत कई देशों में प्रतिबंध
कारण : रक्तस्राव स्ट्रोक का खतरा

दवा : थिरोरिल
उपचार : मानसिक स्थिति बिगड़ने पर दी जाती है
विदेश : जून 2005 के बाद उत्पादन पर पाबंदी
कारण : हृदय को नुकसान

दवा : टेगिब्स
उपचार : आंत संबंधी बीमारियों के लिए
विदेश : मार्च 2007 के बाद बिक्री पर रोक
कारण : हार्टअटैक का खतरा

दवा : निमुलाइड
उपचार : बुखार और दर्द
विदेश : 12 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सख्त मनाही
कारण : लीवर पर असर

दवा : लेप्टोस
उपचार : मोटापा घटाने में
विदेश : यूरोपियन मेडिसिन एजेंसी द्वारा बिक्री पर रोक
कारण : कार्डीओवेस्क्यूलर संबंधी खतरा

दवा : रिडिया
उपचार : मधुमेह के लिए
विदेश : सभी यूरोपीय देशों में पाबंदी
कारण : हार्ट अटैक का खतरा

(स्रोत: यूएस एफडीए, यूरोपियन मेडिसिन एजेंसी, हैल्थ कनाडा, एमआईएमएस इंडिया)

Misc